10 मार्च 2026
मंगलवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मांगलिक गीतों और वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजा जंगलीनाथ शिवमंदिर का प्रांगण, 11 जोड़ों ने थामे एक-दूजे के हाथ

2



## एक नजर

### मानवता नारी शक्ति की ऋणी : गृह मंत्री

**नई दिल्ली।** गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामना देते हुए भारत की प्रगति में नारी शक्ति की भूमिका की सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में गृह मंत्री ने कहा-अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'नारी शक्ति' को हार्दिक शुभकामना ।समाज में नारी शक्ति की अद्वितीय भूमिका के लिए मानवता ऋणी है। पीढ़ियों का पालन-पोषण करने और वैज्ञानिक एवं आर्थिक प्रगति को गति देने में उनका योगदान हमारे जीवन के हर पहलू में है। शाह ने आगे कहा-यह गहरी कृतज्ञता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला नीत विकास के धष्टिकोण को बढ़ावा देती है, जहां महिलाएं अब केवल प्रगति की साक्षी नहीं हैं। अब वह परिवर्तन लाने वाली हैं और महानता की ओर हमारी यात्रा का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

### एसिड अटैक पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने के लिए पॉलिसी बनाएं

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का बड़ा आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे सभी एसिड अटैक पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने के लिए एक पॉलिसी बनाएं। अगर नौकरी नहीं दी जा सकती, तो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया कि वे पीड़ितों को गुजारा भत्ता देने के लिए नीति बनाएं।चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, "सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश कारण बताएंगे कि सरकारी डिपार्टमेंट/एजेंसियों में नौकरी देकर एसिड अटैक के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए कोई स्कीम क्यों नहीं बनाई गई है। अगर इन पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने में लॉजिस्टिक दिक्कतें हैं, तो राज्य सरकारें एसिड अटैक पीड़ितों को गुजारा भत्ता देने के लिए एक पॉलिसी बना सकती हैं। यह निर्देश एसिड अटैक सर्वाइवर शाहीन मलिक के केस की सुनवाई के दौरान आया। मलिक, जिनका केस सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट के कहने पर प्रो बोनो (फ्री) पेश किया, ने अपनी पिटीशन में बताया कि एसिड अटैक सर्वाइवर्स को अक्सर बैंक अकाउंट खोलने, आधार कार्ड बनवाने, प्रॉपर्टी रजिस्टर या अपडेट करने और मोबाइल कार्ड खरीदने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

# 'परिवर्तन यात्रा' से भाजपा का बड़ा चुनावी संदेश भ्रष्टाचार और घुसपैठ पर ममता सरकार को घेरा

■ सरकार बनी तो महिलाओं को देंगे हर माह तीन हजार

**एजेंसी। कोलकाता**

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की ह्यपरिवर्तन यात्राह्ल के जरिए राज्य की सियासत तेज हो गई है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित जनसभाओं में भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश स्तर के नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, घुसपैठ, कानून-व्यवस्था की गिरती स्थिति और कुप्रशासन के आरोप लगाते हुए सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि जनता बदलाव चाहती है और राज्य में विकास व सुशासन के लिए भाजपा को मौका देने का समय आ गया है। भाजपा की परिवर्तन यात्रा के तहत उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर राज्य सरकार राष्ट्रपति और राज्यपाल का विरोध करती है, जबकि दूसरी ओर घुसपैठियों और माफियाओं को संरक्षण दिया जाता है। ठाकुर ने कहा कि बंगाल की अस्मिता और संसाधनों की रक्षा के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर भाजपा की सरकार बनाना जरूरी है। उनके अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव बंगाली गौरव, संस्कृति और राज्य के भविष्य की निर्णायक लड़ाई होगा।

### देश आगे बढ़ रहा, पिछड़ रहा बंगाल

उत्तर बंगाल के माल विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सभा में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, जबकि ममता बनर्जी के शासन में बंगाल पिछड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि अवैध घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो राज्य का जनसांख्यिकीय संतुलन बदल सकता है और आदिवासी, राजबोंग्शी, गोरखा तथा अन्य समुदायों के अधिकार प्रभावित होंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के हितों के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।मेदिनीपुर डिवीजन के सबंग विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा ने तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में लगातार बम और हथियार बरामद हो रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं को राजनीतिक कारणों से निशाना बनाया जा रहा है।

### महिलाओं को देंगे हर माह तीन हजार

हावड़ा-हुगली डिवीजन के सप्तग्राम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शमिक भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और निवेश विरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य की औद्योगिक क्षमता को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं को 3,000 प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी और सातवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा।इस बीच, मानबाजार विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा, आवास और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाएगा। मालदा जिले के गाजोल में आयोजित सभा में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कई योजनाओं में राज्य में कट-मनी वसूली हुई और लाभार्थियों तक पूरी राशि नहीं पहुंची। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा, पारदर्शिता और विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

# बीजेपी ओबीसी की मदद का दावा करती है असलियत में उन्हें कुछ नहीं दिया : राहुल गांधी

- समझ होती तो 2004 में ही जाति जनगणना करा देते
- नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे सरेंडर कर चुके हैं

**एजेंसी। नई दिल्ली**

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर पीएम मोदी की नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार का घेराव किया है। कांग्रेस सांसद ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की मददगार होने का दावा करती है, लेकिन असलियत में उसकी सरकार ने इस वर्ग को कुछ नहीं दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी के ओबीसी विभाग महिला सदस्यों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भारत अमेरिका व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए यह आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी तरह समझौता कर चुके हैं। बीजेपी कहती है कि वो ओबीसी की मदद करती है, लेकिन असलियत में उनकी सरकार ने पिछड़े वर्ग को कुछ नहीं दिया। इसलिए आपको (ओबीसी) मिलकर काम करना है और संगठित होकर अपनी आवाज उठानी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी सिर्फ ओबीसी की मददगार होने का दावा करती है लेकिन बीजेपी ने उनके लिए कुछ भी नहीं किया।

### ट्रंप के आगे सरेंडर कर चुके नरेन्द्र मोदी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी ब्लैकमेल हो रहे हैं, इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे सरेंडर कर चुके हैं। कांग्रेस नेता ने दावा करते हुए कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संसद में पश्चिम एशिया की स्थिति पर दिए वक्तव्य में ईरान शब्द का जिक्र तक नहीं किया। आपको बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के संसद में दिए बयान पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि जयशंकर ने पश्चिम एशिया पर लंबी बात की लेकिन 'ईरान' का नाम तक नहीं लिया, जो कि क्षेत्र का एक प्रमुख देश है।

### ओबीसी के मुद्दे दबे रहते हैं

राहुल ने कहा, "ओबीसी के मुद्दे और समस्याएं छिपी रहती हैं। इन्हें आसानी से नहीं देखा जा सकता। मुझे अफसोस है कि अगर मुझे आपके (ओबीसी) इतिहास के बारे में, आपके मुद्दों के बारे में, थोड़ा भी पता होता, तो मैं उसी समय जाति जनगणना करवा लेता। यह मेरी गलती है। यह कांग्रेस पार्टी की गलती नहीं है, यह मेरी गलती है। मैं उस गलती को सुधारने जा रहा हूं। एक तरह से, यह अच्छा है कि गलती हुई। अगर उस समय जाति जनगणना हो जाती, तो यह उस तरह नहीं होता जैसा अब होने वाला है। हमने तेलंगाना में जो किया है, वह एक राजनीतिक भूकंप है। इसने भारत की राजनीतिक जमीन हिला दी है। आपने अभी तक झटके महसूस नहीं किए हैं, लेकिन काम हुआ है। सुनामी आई थी। लेकिन आपने सुनामी को शुरू करने वाले भूकंप को नहीं देखा। यह समुद्र में था। इसका प्रभाव 2-3 घंटे बाद महसूस किया गया। तेलंगाना में भी यही हुआ है।

# नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: एस जयशंकर

**एजेंसी। नई दिल्ली**

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा जरूरतों की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ईरान पर अमेरिका व इजरायल की तरफ से जारी हमले और इस युद्ध के लंबा खिंचने की आशंकाओं के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत शांति और कूटनीति के पक्ष में है और तनाव कम करने के लिए संवाद को ही समाधान मानता है। विदेश मंत्री ने बताया कि सरकार की नीति तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है। पहला, क्षेत्र में शांति और तनाव कम करने के लिए संवाद व कूटनीति को बढ़ावा देना। दूसरा, पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना और तीसरा, भारत के राष्ट्रीय हितों, विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रवाह की रक्षा करना। विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में 28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ संघर्ष अब व्यापक रूप ले चुका है, जिसमें इजरायल और अमेरिका एक तरफ जबकि ईरान दूसरी ओर आमने-सामने हैं। इसके अलावा कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं, जिससे भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। सरकार ने शुरूआत से ही सभी पक्षों से संयम बरतने और संघर्ष को बढ़ने से रोकने की अपील की है।

### पश्चिम बंगाल एसआईआर विवाद: अंतिम मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ याचिका

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों के खिलाफ एक नई याचिका पर मंगलवार को विचार करने को सहमत हुआ। यह याचिका उन लोगों ने दायर की है जिनके नाम चुनाव आयोग ने हटा दिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने बताया कि यह याचिका पहले के मतदाताओं के नाम हटाने से संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने अधिवक्ता की दलीलें सुनीं। अधिवक्ता ने कहा कि ये वे मतदाता हैं जिन्होंने पहले मतदान किया था, लेकिन अब उनके दस्तावेज नहीं लिए गए हैं।

### यूपीएससी रैंक 301 का सस्पेंस खत्म गाजीपुर की आकांक्षा असली विजेता

**एजेंसी। नई दिल्ली**

यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणाम में रैंक 301 को लेकर फैल रहे भ्रम पर स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। यूपीएससी ने आरा की आकांक्षा सिंह के दावे को गलत और गाजीपुर की आकांक्षा सिंह को सही माना है। यूपीएससी ने कहा कि इस तरह का भ्रम नहीं फैलाया जाये। भ्रम फैलाने पर कार्रवाई की जायेगी। आयोग की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 के रिजल्ट में एक ही नाम की दो अभ्यर्थियों आकांक्षा सिंह द्वारा रैंक 301 प्राप्त करने का दावा किया जा रहा था। जो सही नहीं है.आयोग के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार सिविल सेवा परीक्षा 2025 में रैंक 301 केवल एक अभ्यर्थी आकांक्षा सिंह को प्राप्त हुआ है। उनका रोल नंबर 0856794 है। उनके पिता का नाम रंजीत सिंह और माता का नाम नीलम सिंह है। उनका पता गांव अभैपुर, जिला गाजीपुर, उत्तर प्रदेश है। यूपीएससी के अधिकारी ने बताया कि इस स्पष्टीकरण का मकसद रैंक 301 को लेकर फैल रही भ्रामक सूचनाओं को दूर करना है। गौरतलब है कि सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम छह मार्च को घोषित किया गया था। परिणाम जारी होने के बाद एक ही नाम की दो अभ्यर्थियों द्वारा समान रैंक का दावा किये जाने से भ्रम की स्थिति पैदा हो गयी थी।

## रूद्र सागर सेवा संस्थान ने कराया निःशुल्क सामूहिक विवाह, दहेजमुक्त समाज का दिया संदेश

# मांगलिक गीतों और वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजा जंगलीनाथ शिवमंदिर का प्रांगण, 11 जोड़ों ने थामे एक-दूजे के हाथ

■ **सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक भोज से पूरे दिन गुलजार रहा मंदिर परिसर**

**केटी न्यूज/डुमरांव**

डुमरांव का जंगलीनाथ शिवमंदिर सोमवार को मांगलिक गीतों, शहनाई की धुन और वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज उठा। मंदिर परिसर में आयोजित भव्य निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह में 11 जोड़े पूरे वैदिक विधि-विधान के साथ सात फेरे लेकर वैवाहिक बंधन में बंध गए। इस दौरान पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया और श्रद्धालुओं व परिजनों की भीड़ से मंदिर परिसर खचाखच भरा रहा। सामूहिक विवाह का यह आयोजन रूद्र सागर सेवा संस्थान की ओर से किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह कराना और समाज में व्याप्त दहेज प्रथा के खिलाफ एक मजबूत संदेश देना था। सुबह से शुरू हुआ यह आयोजन देर शाम तक चलता रहा, जिसमें विवाह की सभी रस्में पारंपरिक तरीके से संपन्न कराई गईं। विवाह समारोह के दौरान आचार्य मंडल के नेतृत्व में विद्वान ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान से वर-वधुओं का विवाह कराया। आचार्य मंडल का नेतृत्व पंडित विन्ध्याचल ओझा कर रहे थे। उनके निर्देशन में सभी जोड़ों ने अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए और वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा गाए जा रहे पारंपरिक मांगलिक गीत वातावरण को और भी पवित्र और भावनात्मक बना रहे थे। मंदिर परिसर में गूंजते गीतों और मंत्रों के बीच वर-वधू के परिजनों के चेहरे पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम बना आकर्षण का केंद्र

सामूहिक विवाह समारोह को और भी यादगार बनाने के लिए आयोजन समिति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में कलाकारों ने शिव विवाह, राधा-कृष्ण की झांकी और धार्मिक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में मनोरंजन का रंग भी घोल दिया और लोगों ने तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। समारोह के दौरान संस्थान की ओर से नवविवाहित जोड़ों को आभूषण, फर्नीचर तथा दैनिक उपयोग की कई जरूरी वस्तुएं उपहार स्वरूप प्रदान की गईं। इसके अलावा विवाह में शामिल बारातियों, घरातियों तथा रिश्तेदारों के लिए मुफ्त जलपान और सामूहिक भोज की भी व्यवस्था की गई थी। दिन भर लोगों के लिए भोजन और जलपान की व्यवस्था होने से मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल बना रहा।

### गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, प्रवक्ता शक्ति राय, युवा मोर्चा के प्रांतीय नेता दीपक यादव, सामाजिक कार्यकर्ता रामबहादूर सिंह, राजीव रंजन सिंह उर्फ रवि सिंह, उपेन्द्र चौबे और पुष्पांजलि देवी सहित सैकड़ों गणमान्य लोग समारोह में शामिल हुए और नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

### इन जोड़ो ने लिए सात फेरे

सामूहिक विवाह में जिन जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ उनमें रवि-रंजू, अक्षय लाल-फूल कुमारी, अमृत-सरिता, दीपू-नंदनी, जयराम-किरण, अवधेश-महिमा, मंटू-सुशीला और सत्या-सपना सहित कुल 11 जोड़े शामिल रहे। सभी जोड़ों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ जयमाल और सात फेरों की रस्म पूरी की।

### समिति और आचार्य मंडल की रही महत्वपूर्ण भूमिका

इस आयोजन को सफल बनाने में रूद्र सागर सेवा संस्थान के संरक्षक तथा गुजरात के पूर्व डीजीपी केके ओझा, संस्थान के अध्यक्ष बालकृष्ण चौबे, सचिव रविशंकर चौबे, व्यवस्थापक संजय चौबे उर्फ डब्लू चौबे, राजेश सैनी, रिंटू चौबे, गजेन्द्र दूबे, शिबू दूबे, सुशील चौबे, तेजनारायण ओझा, रविशंकर पाठक, सोनू ओझा, सोनू सिंह, मोनू तिवारी, अविनाश मिश्र, गोविंद तिवारी सहित कई सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन की तैयारी कई दिनों से चल रही थी और स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। संस्थान के सचिव रविशंकर चौबे ने बताया कि आने वाले वर्षों में इस सामूहिक विवाह समारोह को और भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह कराया जा सके। वहीं, उन्होंने घोषणा की कि अगले साल 21 जोड़ो का नि:शुल्क शादी कराया जाएगा। वहीं संस्थान के संरक्षक सह पूर्व डीजीपी केके ओझा ने कहा कि समाज में फैली दहेज प्रथा एक गंभीर सामाजिक समस्या है और इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक विवाह जैसे आयोजन महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि दहेज रूपी दानव को समाज से खत्म करने के लिए सभी को आगे आना होगा।

### सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है संस्थान

गौरतलब है कि रूद्र सागर सेवा संस्थान इससे पहले भी कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। संस्थान द्वारा सामूहिक उपनयन संस्कार, सामूहिक रूद्राभिषेक और गर्मी के दिनों में राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए मुफ्त पनशाला चलाने जैसे कार्य किए जाते रहे हैं। इस बार संस्थान ने एक नई पहल करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के लिए नि:शुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन किया, जिसमें 11 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज के बाद नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर विदा किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने इस सामाजिक पहल की जमकर सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

## कलियुगी मां ने नवजात को झाड़ियों में फेंका, इलाज के दौरान मासूम की मौत

**केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म**

थाना क्षेत्र के नोनियापुरा गांव के पास सोमवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। सड़क किनारे झाड़ियों में लावारिस हालत में मिली एक नवजात बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार सुबह टहलने निकले कुछ ग्रामीणों को सड़क किनारे झाड़ियों की ओर से रोने की आवाज सुनाई दी। जब ग्रामीण आवाज की दिशा में पहुंचे तो देखा कि एक नवजात बच्ची कपड़े में लिपटी हुई जमीन पर पड़ी है। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत बच्ची को सुरक्षित उठाया और इसकी सूचना कृष्णाब्रह्म थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपने संरक्षण में लेकर तत्काल इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। उस समय बच्ची की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही बक्सर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम भी अस्पताल पहुंची और बच्ची के इलाज की व्यवस्था में जुट गई।

डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के सहयोग से बच्ची को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद नवजात को बचाया नहीं जा सका और देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र में लोगों के बीच गहरा दुख और नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि किसी मासूम को इस तरह लावारिस हालत में छोड़ देना बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। इधर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर नवजात बच्ची को वहां किसने और किन परिस्थितियों में छोड़ा।

## रामनवमी को लेकर विहिप व बजरंग दल की बैठक भव्य धार्मिक कार्यक्रम व बाइक शोभायात्रा का निर्णय

■ **डुमरांव में शांतिपूर्ण व भव्य आयोजन की तैयारी, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई जिम्मेदारियां**

**केटी न्यूज/डुमरांव**

रामनवमी पर्व के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल डुमरांव के कार्यकताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी रामनवमी उत्सव को धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि रामनवमी के पावन अवसर पर डुमरांव में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की भागीदारी से भव्य बाइक शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। आयोजन को आकर्षक, अनुशासित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कार्यकताओं के बीच अलग-अलग जिम्मेदारियां भी बांटी गईं।

बैठक को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष संटू मित्रा ने कहा कि रामनवमी भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का पावन पर्व है, जिसे सनातन धर्मावलंबी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व समाज में धर्म, संस्कृति और मयार्दा के आदर्शों को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में इस आयोजन में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने भी अपने-अपने सुझाव दिए और आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। साथ ही यह भी तय किया गया कि कार्यक्रम के दौरान प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजन संपन्न कराया जाएगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष विकास पाठक, विश्व हिंदू परिषद के महासचिव अभिषेक रंजन, बजरंग दल के प्रखंड संयोजक राहुल सूर्यवंशी, राजीव कुमार, लाल जी केशरी, संतोष साह, गोलू रजक, आशीष कुमार, अजीत कुमार सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में रामनवमी के आयोजन को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

## फरार चल रहे दो वारंटी चढ़े पुलिस के हत्थे, सोवा गांव से गिरफ्तारी

**कृष्णाब्रह्म।** स्थानीय थाना क्षेत्र में फरार चल रहे वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कृष्णाब्रह्म पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रविवार की रात सोवा गांव में छापेमारी कर दो फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को सोमवार को न्यायिक प्रक्रिया के तहत कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार वारंटियों में सोवा गांव निवासी पुतुल साह उर्फ शम्भु कानू तथा ललन सराय उर्फ भुअर पासी शामिल हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व से न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था, लेकिन वे लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर थे और लगातार फरार चल रहे थे। थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर रविवार की रात सोवा गांव में छापेमारी की गई, जहां से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों वारंटियों को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने यह भी कहा कि थाना क्षेत्र में फरार अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और कानून से बचने की कोशिश करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

## महादेवगंज में पीएचईडी पाइप लाइन लीकेज से लोग परेशान, सड़क पर फैल रहा पानी

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड क्षेत्र के महादेवगंज गांव के वार्ड संख्या 3 में पीएचईडी विभाग की पाइप लाइन में लीकेज होने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पाइप लाइन से लगातार पानी रिसाव होने के कारण सड़क की ऊपरी सतह तक पानी आ जा रहा है, जिससे सड़क फिसलन भरी हो गई है और लोगों में दुर्घटना का भय बना हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के अंदर से गुजर रही पीएचईडी विभाग की पानी सप्लाई पाइप लाइन काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी है। पाइप लाइन में कई जगहों से पानी रिसाव हो रहा है, जिसके कारण पानी सड़क के ऊपर तक पहुंच रहा है। इससे न सिर्फ पक्की सड़क पर फिसलन की स्थिति बन रही है, बल्कि आसपास की कच्ची सड़कों

की हालत भी खराब होती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस समस्या के कारण खासकर सुबह और शाम के समय आवागमन करने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बाइक और साइकिल चालकों के फिसलने का खतरा बना रहता है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।इस संबंध में वार्ड प्रतिनिधि पप्पू यादव ने बताया कि पाइप लाइन लीकेज की समस्या को लेकर कई बार पीएचईडी विभाग के संबंधित जेई को सूचना दी गई है। बावजूद इसके अब तक विभाग की ओर से मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही पाइप लाइन की मरम्मत नहीं कराई गई तो ग्रामीणों को और अधिक परेशानी झेलनी पड़ेगी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पीएचईडी विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द लीकेज पाइप लाइन की मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके और किसी संभावित दुर्घटना से भी बचाव हो सके। फिलहाल समस्या जस की तस बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी भी देखने को मिल रही है।इस संबंध में पीएचईडी जेई से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन से संपर्क नहीं हो पाया।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छठिया पोखरा, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरुण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरुवार

SANGAM SUPER SPECIALTY HOSPITAL
संगम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

परामर्श शुल्क मात्र ₹ 1/-
+ जनरल फिजिशियन
+ स्त्री रोग विशेषज्ञ
+ जनरल व गेस्ट्रो सर्जरी
+ बाल रोग विशेषज्ञ
+ नाक, कान, गला विशेषज्ञ
+ हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
+ न्यूरो फिजिशियन व सर्जरी
+ हृदय रोग विशेषज्ञ
+ ओनको सर्जरी (कैंसर)
+ यूरोलॉजी सर्जरी
+ फिजियो थेरेपी सेन्टर
+ पैथोलॉजी
Add.: 53/2, Avadhpuri Colony, Khargapur, Gomti Nagar, Lucknow - 226010 | Email : Sangamhospitals2025@gamil.com
Mob.: 9956026260, 9044872872

# डिजिटल होगी जनगणना 2027, बक्सर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

■ **जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शुरू हुआ प्रशिक्षण, 14 मार्च तक चलेगा कार्यक्रम**

**केटी न्यूज/बक्सर**

आगामी जनगणना 2027 को लेकर बक्सर जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित नया सभागार में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में जनगणना से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया, तकनीकी पहलुओं तथा डिजिटल माध्यम से डाटा संग्रहण की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी साहिला ने कहा कि जनगणना किसी भी देश की विकास योजना और नीतियों के निर्धारण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आधार होती है। इसके माध्यम से जनसंख्या, सामाजिक संरचना, आर्थिक स्थिति तथा अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों की जानकारी मिलती है, जिससे सरकार को योजनाएं बनाने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि इस बार होने वाली जनगणना कई मायनों में विशेष है, क्योंकि यह देश की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के पहले चरण में 9 मार्च से 11 मार्च तक जिला स्तरीय पदाधिकारियों को जनगणना से जुड़ी प्रक्रियाओं, तकनीकी व्यवस्था और डाटा प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं दूसरे चरण में 12 मार्च से 14 मार्च तक अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य स्तर से दो अनुभवी प्रशिक्षक बक्सर जिले में भेजे गए हैं। ये प्रशिक्षक जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों को जनगणना के विभिन्न पहलुओं से अवगत करा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल एप्लिकेशन के उपयोग, डाटा एंट्री, मॉनिटरिंग सिस्टम तथा रिपोर्टिंग प्रक्रिया की भी विस्तृत जानकारी दी जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना 2027 पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। इसमें डाटा संग्रहण मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा, जबकि इसकी मॉनिटरिंग केंद्रीय पोर्टल के जरिए की जाएगी। इससे न केवल डाटा संग्रहण की प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि पारदर्शिता और सटीकता भी सुनिश्चित होगी। जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण का कार्य 2 मई से 31 मई तक किया जाएगा। इसके अलावा स्वगणना की प्रक्रिया 17 अप्रैल से 1 मई तक चलेगी, जिसमें नागरिक स्वयं भी अपने परिवार की जानकारी डिजिटल माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। वहीं दूसरे चरण में वास्तविक जनगणना की प्रक्रिया 1 मार्च 2027 तक संपन्न की जाएगी। इसके बाद 1 मार्च 2027 से 5 मार्च 2027 तक रिवीजन राउंड चलाया जाएगा, जिसमें छूटे हुए या संशोधन योग्य आंकड़ों को ठीक किया जाएगा।

## केशव टाइम्स की लगातार खबरों के बाद टूटी थी प्रशासन की तंत्र रद्द हुआ था चयन, अब सदर विधायक के हस्तक्षेप से जागी उम्मीद

# बक्सर शिक्षा विभाग में माफिया राज पर विधायक की सख्ती, अब कार्रवाई की तैयारी

**केटी न्यूज/बक्सर**

बक्सर जिला शिक्षा कार्यालय में लंबे समय से जारी भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और कथित शिक्षा माफियाओं के हस्तक्षेप को लेकर अब राजनीतिक स्तर पर भी सख्ती के संकेत मिलने लगे हैं। सदर विधायक आनंद मिश्र ने सोमवार को जिला शिक्षा कार्यालय पहुंचकर डीईओ संदीप रंजन समेत अन्य अधिकारियों से मुलाकात की और विभाग में व्याप्त समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। विधायक ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा विभाग में बाहरी लोगों की दखलअंदाजी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दो बाहरी व्यक्ति अजय सिंह और अरविंद सिंह का कार्यालय में लगातार हस्तक्षेप रहता है। ये लोग अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों पर दबाव बनाकर कथित रूप से धन उगाही करते हैं और विभाग से जुड़े टेंडर व अन्य कार्यों में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहते हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि जो भी इनके खिलाफ आवाज उठाता है, उसे तरह-तरह से परेशान किया जाता है। उन्होंने कहा कि दोनों लोग पहले भी जेल जा चुके हैं और उन्हें कुछ प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त होने की बात सामने आई है। ऐसे में शिक्षा विभाग को भयादोहन और

दबाव की राजनीति से मुक्त कराने के लिए सख्त कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे तत्वों के खिलाफ ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि विभाग का माहौल साफ हो सके और शिक्षकों को बिना डर के काम करने का अवसर मिल सके। गौरतलब है कि बक्सर का शिक्षा विभाग लंबे समय से विवादों और आरोपों में घिरा रहा है। कथित शिक्षा माफियाओं के कारण विभाग की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। केशव टाइम्स द्वारा भी इस मुद्दे पर लगातार खबरें प्रकाशित की जाती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद जिला प्रशासन का तंत्र अब तक इस गंभीर समस्या पर निर्णायक कार्रवाई नहीं कर पाया है। हालांकि खबर प्रशासन के बाद जिला प्रशासन की तंद्रा टूटी थी तथा गलत तरीके से चयनित हाउसकीपिंग एजेंसी का चयन रद्द कर दिया गया था बावजूद दोषी लोगों पर कार्रवाई अब तक नहीं की जा सकी है।यही वजह है कि विभाग में कथित माफियाओं का मनोबल लगातार बढ़ता गया और उनका दबदबा बना रहा। इस बीच विधायक के हस्तक्षेप के बाद उम्मीद जगी है कि अब शिक्षा विभाग की व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में ठोस पहल हो सकती है। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या वास्तव में इस कार्रवाई से शिक्षा विभाग में चल रही कथित माफियागिरी का अंत होगा या फिर पहले की तरह ही उनका प्रभाव बना रहेगा। विधायक ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए गंभीर प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि कई विद्यालयों के भवन जर्जर होने के कारण उन्हें दूसरे विद्यालयों में मर्ज कर दिया जाता है, जिससे संबंधित पोषण क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और उनके निर्धारित पोषण क्षेत्र में ही विद्यालयों का संचालन हो सके। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि विधायक की सख्ती के बाद क्या बक्सर के शिक्षा विभाग में व्याप्त कथित माफिया तंत्र पर लगाम लग पाती है या फिर यह मामला भी समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

## हाउसकीपिंग घोटाले की जांच से पीछे हटी टीम, बाहरी एजेंसी से जांच की सिफारिश

■ **शिक्षा विभाग में करोड़ों के खेल की आशंका**

**केटी न्यूज/बक्सर**

जिला शिक्षा कार्यालय में हाउसकीपिंग एजेंसी के चयन और भुगतान को लेकर सामने आए कथित घोटाले की जांच अब और पेचीदा हो गई है। तीन सदस्यीय जांच टीम ने खुद इस मामले की जांच करने में असमर्थता जताते हुए इसकी जांच किसी दूसरे विभाग के वरीय अधिकारी या स्वतंत्र एजेंसी से कराने की सिफारिश कर दी है। इसके बाद पूरे प्रकरण में करोड़ों रुपये के गड़बड़ी की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, शिक्षा विभाग द्वारा हाउसकीपिंग एजेंसी के रूप में फर्स्ट आइडिया डिजिटल एप्लीकेशन का चयन किया गया था, जबकि विभागीय स्तर पर कार्य आवंटन फर्स्ट आइडिया डिजिटल्स एप्लीकेशंस नाम की दूसरी कंपनी को

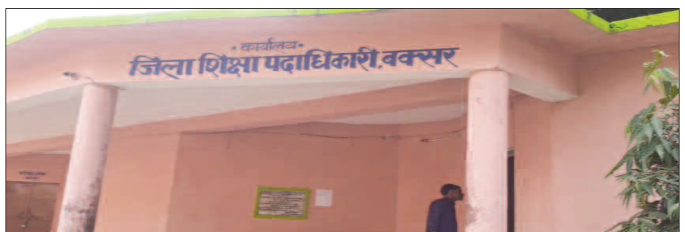


दिया गया। हैरानी की बात यह है कि इसी दूसरी कंपनी को विभाग की ओर से मोटी रकम का भुगतान भी कर दिया गया। जानकारों का कहना है कि एजेंसी चयन से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई है और इसमें करोड़ों रुपये के गबन की आशंका जताई जा रही है। इस मामले के सामने आने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन ने दिसंबर माह में डीपीओ स्थापना रजनीश उपाध्याय, डीपीओ चंदन द्विवेदी और सदर बीईओ अजय कुमार की तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की थी। लेकिन करीब तीन महीने बीत जाने के बाद भी टीम ने जांच पूरी नहीं की और अब डीईओ को पत्र लिखकर किसी स्वतंत्र एजेंसी या दूसरे विभाग से जांच कराने की अनुशंसा कर दी है। सूत्रों के अनुसार इस मामले में कथित रूप से प्रभावशाली लोगों का दबाव भी जांच टीम पर लगातार बना हुआ था। बताया जा रहा है कि विभाग में अपना प्रभाव रखने वाले कुछ लोगों की ओर से जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही थी। यहां तक कि जांच टीम के अधिकारियों से लगातार संपर्क किए जाने की भी चर्चा है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि जांच टीम के मोबाइल कॉल डिटेल और कार्यालयों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जाए तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। वहीं इस प्रकरण को दबाने में कुछ वरीय अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किस एजेंसी से कराई जाए। जिला शिक्षा पदाधिकारी के सामने भी यही चुनौती है कि इस गंभीर मामले की पारदर्शी जांच के लिए किस स्तर पर पत्राचार किया जाए, ताकि हाउसकीपिंग एजेंसी चयन और भुगतान में हुई कथित गड़बड़ी की सच्चाई सामने आ सके।

## श्रमिकों की समस्याओं को लेकर चौसा एसटीपीएल में पूरे दिन रहा हड़ताल

**केटी न्यूज/चौसा**

चौसा स्थित एसटीपीएल परियोजना क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों ने सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पूरे दिन हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान श्रमिकों ने काम बंद रखकर अपनी समस्याओं को लेकर प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट कराया। हड़ताल में परियोजना क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न निर्माण कंपनियों तथा उनके अधीन कार्यरत विक्रेताओं के मजदूर शामिल हुए।

श्रमिकों का कहना है कि परियोजना क्षेत्र में लंबे समय से कई बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं, जिनका समाधान नहीं किया जा रहा है। श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बताया कि न्यूनतम मजदूरी अधिनियम का पालन सही ढंग से नहीं हो रहा है। इसके अलावा अतिरिक्त कार्य अवधि का नियमानुसार भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। कई मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल पाने से आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यूनियन के अनुसार कार्यस्थल पर मानक के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था का भी अभाव है, जिससे श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। साथ ही अतिरिक्त कार्य अवधि को मूल कार्य अवधि में जोड़कर कार्य दिवस का नियम विरुद्ध निर्माण किया जा रहा है। श्रमिकों ने यह भी आरोप लगाया कि कई मामलों में भविष्य निधि की कटौती समय पर नहीं की जाती है तथा कर्मचारी राज्य बीमा योजना से संबंधित प्रावधानों का भी सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। लंबे समय से कार्यरत श्रमिकों को प्रवेश पास नवीनीकरण के नाम पर दोबारा नियुक्ति प्रक्रिया से गुजरने को मजबूर किया जाता है, जिससे उनकी सेवा अवधि प्रभावित होती है। इसके अलावा कार्य समाप्ति के बाद श्रमिकों को मिलने वाले लाभों से भी वंचित किए जाने की शिकायत सामने आई है। श्रमिक संगठनों का कहना है कि श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली अन्य सुविधाएं भी कई मामलों में उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। इन सभी समस्याओं को लेकर श्रमिकों ने दिनभर हड़ताल कर विरोध जताया और प्रबंधन से जल्द समाधान की मांग की। यूनियन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की जाए, जिसमें परियोजना में कार्यरत निर्माण कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हों।

## फूड फेस्टिवल में बच्चों ने दिखाया हुनर, स्वाद और उत्साह से गुलजार रहा पाथवेज वर्ल्ड स्कूल परिसर

**केटी न्यूज/डुमरांव**

स्थानीय पाथवेज वर्ल्ड स्कूल, डुमरांव में सोमवार को आयोजित फूड फेस्टिवल बच्चों के उत्साह, रचनात्मकता और स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू से गुलजार रहा। पूर्वी गुमटी, टेक्सटाइल कॉलोनी, बड़ा बाग रोड स्थित विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर आर. राघवन और प्रिंसिपल डॉ. नेहा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद दोनों ने अतिथियों के साथ बच्चों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉल का अवलोकन

किया और उनके प्रयासों की सराहना की। फूड फेस्टिवल की शुरूआत सुबह 10 बजे से ही हो गई थी। विद्यालय परिसर में बच्चों और अभिभावकों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार कर स्टॉल लगाए। इनमें मोमोज, पानी पुरी, चाउमीन, फ्राई राइस, पनीर चिल्ली, रॉयल पूरी, शेव पूरी, ब्रेड पकोड़ा, पास्ता, लिट्टी-चोखा, चाय-कॉफी, बेकरी आइटम, इडली, समोसा, आलू टिक्की और समोसा चाट जैसे स्वादिष्ट व्यंजन शामिल थे। बच्चों ने न केवल इन व्यंजनों को तैयार किया बल्कि उन्हें आकर्षक तरीके से सजाकर प्रस्तुत भी किया। विद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर आर. राघवन ने कहा कि इस तरह के फूड फेस्टिवल से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें मनी मैनेजमेंट, व्यवहारिक ज्ञान तथा व्यवसाय में लाभ-हानि जैसी व्यावहारिक बातों की समझ विकसित होती है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस फेस्टिवल में जूनियर क्लास से लेकर कक्षा आठ तक के कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें दिव्या, यशिका, सनाया शेख, अख्तर, अमरकांत, आयुष, अदिति, स्नेहा, शिवानी, सलोनी, निशा, सृष्टि, निखिल, बलवंत, अनुष्का, नीरज, सत्यम, सूरज, रवि, निशान, अंशु, अथर, आलिया, बबली, धनु, राजलक्ष्मी और सत्या सहित कई छात्र-छात्राएं शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार की भी अहम भूमिका रही। शिक्षकों और कर्मचारियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। फूड फेस्टिवल ने बच्चों को सीखने के साथ-साथ मनोरंजन का भी शानदार अवसर प्रदान किया।

## महावीरी पूजा व रामनवमी पर डीजे रहेगा पूर्णतः प्रतिबंधितः डीएम

■ **जिला समन्वय समिति की बैठक में कई विभागों की समीक्षा, लापरवाही पर अधिकारियों से मांगा गया स्पष्टीकरण**

**केटी न्यूज/बक्सर**

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कई अहम निर्देश दिए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों से जवाब तलब करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आगामी महावीरी पूजा एवं रामनवमी पर्व को लेकर विधि-व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया कि इन पर्वों के अवसर पर डीजे का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रखा जाए। साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों के विरुद्ध बंध पत्र की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। राजस्व महाअभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर एवं डुमरांव को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। न्यायालय से संबंधित मामलों की समीक्षा के क्रम में विभिन्न विभागों द्वारा त्रुटिपूर्ण तथ्य विवरणी उपलब्ध कराने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा बक्सर को निर्देश दिया कि संबंधित कार्यालय प्रधानों से नियमित रूप से त्रुटिरहित तथ्य विवरणी प्राप्त की जाए। साथ ही

ऐसे पदाधिकारियों को चिन्हित कर उनसे कारण पृच्छा करने का भी निर्देश दिया गया, जो बिना समुचित अवलोकन के ही गलत या अधूरी जानकारी जिला पदाधिकारी को उपलब्ध कराते हैं। बैठक में सीएम डैशबोर्ड, जिला पदाधिकारी के जनता दरबार तथा मुख्यमंत्री के जनता के दरबार में प्राप्त परिवादों की समीक्षा भी की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इन मामलों का ससमय और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान पात्र लाभुकों के सत्यापन में राजपुर एवं केसठ प्रखंडों में सर्वाधिक लंबित मामले पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने दोनों प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारियों से कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया।

जियो टैग के मामलों में नावानगर प्रखंड की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। जिलाधिकारी ने जियो टैगिंग कार्य में सबसे कम प्रगति वाले प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। बैठक में विद्यालयों के निरीक्षण और अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन की भी समीक्षा की जानी थी। हालांकि महत्वपूर्ण बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी स्वयं अनुपस्थित पाए गए और संबंधित प्रतिवेदन भी उपलब्ध नहीं कराया गया। इस पर जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर से कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा नगर निकाय चौसा में विद्युत से संबंधित कार्य अब तक नहीं कराए जाने को लेकर कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर से भी स्पष्टीकरण मांगा गया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागों की योजनाओं को गंभीरता से लेते हुए समय पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

## अंचल कार्यालय की रफ्तार थमी हड़ताल से जमीन संबंधी काम पड़े ठप

**केटी न्यूज/चौसा**

चौसा अंचल कार्यालय में इन दिनों कामकाज की रफ्तार पूरी तरह थम गई है। राजस्व कर्मियों के पहले से जारी आंदोलन के बीच अब अंचल अधिकारी (सीओ) भी हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे अंचल से जुड़े लगभग सभी प्रशासनिक और राजस्व कार्य प्रभावित हो गए हैं। स्थिति यह है कि कार्यालय में जहां सामान्य दिनों में लोगों की भीड़ रहती थी, वहां इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है। सोमवार को अंचल कार्यालय का नजारा बिल्कुल बदला हुआ दिखाई दिया। जमीन से जुड़े मामलों, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दूर-दराज के गांवों से लोग कार्यालय पहुंचे, लेकिन कर्मचारियों और अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें निराश होकर वापस

लौटना पड़ा। कई लोगों ने बताया कि वे कई दिनों से अपने जरूरी कार्यों के लिए चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन हड़ताल के कारण कोई भी काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। जानकारी के अनुसार राजस्व कर्मियों की हड़ताल पहले से ही जारी है, जिससे अंचल से जुड़े अधिकांश कार्य प्रभावित थे। अब अंचल अधिकारियों के भी आंदोलन में शामिल हो जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। जमीन से संबंधित विवादों का निपटारा, दाखिल-खारिज, ऑनलाइन म्यूटेशन, प्रमाण पत्रों का सत्यापन सहित कई जरूरी प्रक्रियाएं फिलहाल ठप पड़ी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार चल रही हड़ताल का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। खासकर किसानों, छात्रों और अन्य जरूरतमंद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं निकाला गया, तो आने वाले दिनों में लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। लोगों ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से जल्द बातचीत कर समाधान निकालने की मांग की है, ताकि अंचल कार्यालय का कामकाज फिर से सामान्य हो सके और आम जनता को राहत मिल सके।

# मंदिर-मस्जिद के बाद गुरुद्वारा पहुंचे निशांत कुमार, तख्त श्रीहरमंदिर साहिब में टेका मत्था

**एजेंसी। पटना**

जनता दल यूनाईटेड की सदस्यता हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत रविवार को सबसे पहले महावीर मंदिर गये उसके बाद हाईकोर्ट मजार पर गये और आज पटना सिटी स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा भी पहुंचे। जहां उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। वही पटना सिटी में ही पटनदेवी में जाकर माता की पूजा-अर्चना की। निशांत ने इस दौरान देश और प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी आज पटना सिटी में ही थे। वो पटना सिटी के मालसलामी में बन रही सड़क का निर्माण कार्य को देखने गये हुए थे। इस दौरान उन्होंने चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उसी वक्त मुख्यमंत्री नीतीश के बेटे निशांत भी पटना सिटी दौरे पर रहे। पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा में उन्होंने मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। जिसके बाद वो पटना सिटी के पटनेदेवी में पूजा करने पहुंच गये। इससे पहले निशांत पटना के कंकड़बाग स्थित मंजू सिन्हा पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान निशांत काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि यहां उनकी मां की प्रतिमा है और वह उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं। निशांत ने कहा कि मां की बहुत याद आ रही है और उनका आशीर्वाद हमेशा उनके साथ बना रहे। मीडिया से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा कि उनकी मां की कमी हमेशा महसूस होती है। उन्होंने कहा, 'मां रहतीं तो और अच्छा होता। उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर बना रहे।' इस दौरान उन्होंने बिहार के अलग-अलग जिलों में जाने की भी बात कही। निशांत ने कहा कि वह राज्य के सभी 38 जिलों में यात्रा करने की योजना बना रहे हैं और इसे लेकर विचार कर रहे हैं। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि कार्यकर्ता उन्हें मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं तो वह इस सवाल को टालते नजर आए। निशांत इस सवाल का कोई जवाब दिए बिना आगे बढ़ गए। हालांकि उन्होंने पहले ही साफ किया था कि वह पार्टी के लिए मेहनत से काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने पिछले 20 वर्षों में जो काम किए हैं, उन्हें आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

## उन्होंने इस सड़क परियोजना को गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द से जल्द पूरा करने अधिकारियों को दिया निर्देश

# मुख्यमंत्री पद छोड़ने से पहले एक्शन में नीतीश, पटना सिटी के मालसलामी में सड़क निर्माण कार्य का लिया जायजा

**एजेंसी। पटना**

राज्यसभा जाने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में चल रहे विकास कार्यों का लगातार जायजा ले रहे हैं। 8 मार्च रविवार के दिन एक ओर जब उनके बेटे निशांत जेडीयू की सदस्यता ले रहे थे, उस वक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम को जोड़ने वाी 542 करोड़ की लागत से बनने वाली टनल निर्माण कार्य का उद्घाटन और निरीक्षण करने पहुंच गये। टनल पटना के नेहरू पथ पर हड़ताली मोड़ के पास से बनना शुरू हुआ है। इस दौरान उन्होंने टनल के निर्माण कार्य में तेजी से और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। ठीक इसके अगले दिन 9 मार्च सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना सिटी के मालसलामी पहुंच गये। वहां पहुंचकर उन्होंने संपर्क पथ

का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान मंत्री विजय चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने चल रहे सड़क निर्माण कार्य को देखा और अधिकारियों से पूछा कि कब तक निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा? अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि समय सीमा के अंदर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कह दिया कि हर हाल में समय सीमा के भीतर इसका निर्माण कार्य पूरा करें। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब से राज्यसभा का नामांकन दाखिल किया तब से वो लगातार एक्शन में नजर आ रहे हैं। 5 मार्च को उन्होंने नॉमिनेशन किया। राज्यसभा के लिए नामांकन पर्चा भरने के एक दिन बाद से वो एक्टिव मोड में हैं। वो लगातार चल रहे विकास कार्यों और निर्माण कार्यों का जायजा ले रहे हैं। 7 मार्च को वो पटना के बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पास निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आर॰ओ॰बी॰) का निरीक्षण किया। इस दौरान इसका निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने का उन्होंने निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस योजना के पूर्ण होने से पटना-बख्तियारपुर पुराना पथ (एस॰एच॰-106) तथा पटना-बख्तियारपुर नया फोर लेन (एन॰एच॰-30) आपस में जुड़ जाएंगे, जिससे दोनों तरफ के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी और समय की बचत होगी। इस कार्य के पूरा होने से बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को पुराने एवं नए दोनों पथों से सीधी सम्पर्कता हो जाएगी, जिससे छात्रों एवं शिक्षकों को भी आवागमन में काफी सुविधा होगी। इसके पश्चात गणेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बख्तियारपुर के नए भवन के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। इसका निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा है ताकि छात्रों के पठन-पाठन में सुविधा हो। इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता सेनानी स्व॰ डुमर सिंह जी की प्रतिमा स्थल के पास बनाए जा रहे पार्क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। साथ ही गंगा नदी पर निमार्णाधीन बख्तियारपुर (करजान)-ताजपुर (समस्तीपुर) पुल का भी स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस निर्माण कार्य के पूरा होने से उत्तर बिहार एवं दक्षिण बिहार के बीच एक और संपर्कता बनेगी। हमलोग राज्य में लगातार सड़क, पुल/पुलियों एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करा रहे हैं। सभी निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है ताकि बिहार विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो और आने वाले समय में देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सके। वही 8 मार्च रविवार को सीएम नीतीश ने 542 करोड़ रु॰ की लागत की बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय को जोड़ने वाली टनल के निर्माण कार्य का कायारंभ किया। इस टनल के बन जाने से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय में लगे प्रदर्शों का लोग आसानी से एक जगह से दूसरी जगह जाकर अवलोकन कर सकेंगे। इससे पर्यटक बिहार की समृद्ध विरासत, इतिहास एवं संस्कृति को सहजता से देख एवं महसूस कर सकेंगे।

# मासूम की सुरक्षा के लिए आगे आई पुलिस, भटके बच्चे को दिलाया संरक्षण

**केटी न्यूज/चौसा**

मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए चौसा थाना पुलिस ने एक भटके हुए मासूम को सुरक्षित संरक्षण दिलाकर सराहनीय पहल की है। रविवार को खिलाफतपुर गांव के पास लगभग आठ से नौ वर्ष का एक बच्चा अकेले इधर-उधर भटकता हुआ मिला, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसकी स्थिति को देखते हुए पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को अपने संरक्षण में लेकर उससे बातचीत करने का प्रयास किया। पूछताछ के दौरान बच्चे ने अपना नाम सुबोध कुमार और पिता का नाम विपिन कुमार बताया। उसने यह भी कहा कि वह खैरा बाजार के शुकलिया गांव का रहने वाला है। हालांकि बच्चा काफी घबराया हुआ था और अपने घर का पूरा व स्पष्ट पता नहीं बता पा रहा था।

पुलिस ने बच्चे को पहले शांत कराया और उससे धैर्यपूर्वक जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन उसके द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी। ऐसे में उसकी सुरक्षा और उचित देखभाल को प्राथमिकता देते हुए थाना पुलिस ने बाल संरक्षण की प्रक्रिया के तहत उसे चाइल्ड केयर (बाल देखभाल इकाई) के हवाले कर दिया। वहां फिलहाल बच्चे की देखभाल की जा रही है और उसे सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया गया है।

पुलिस द्वारा बच्चे के बताए गए पते और अन्य जानकारी के आधार पर उसके परिजनों का पता लगाने के लिए संबंधित क्षेत्रों में संपर्क किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते पुलिस की सक्रियता से बच्चे को सुरक्षित संरक्षण मिल सका। अपर थानाध्यक्ष चन्दन कुमार ने बताया कि बच्चे के परिजनों की तलाश की जा रही है। जैसे ही उसके अभिभावकों की सही जानकारी मिल जाएगी, सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर बच्चे को सुरक्षित रूप से उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि बच्चे की

# टी20 विश्व कप में भारत की जीत पर हिन्दू और मुस्लिम आपस में भिड़े, 9 गिरफ्तार

■ **एसडीएम ने दोनों समाजों के बीच कराया शांति बहाल**

**केटी न्यूज/रोहतास**

विश्व कप क्रिकेट मैच में भारत की जीत पर पटाखों की आवाज से हुई मामूली नाराजगी ने राजपुर बजार में झड़प को जन्म दिया, लेकिन ग्रामीणों और गिरफ्तार युवाओं ने एकजुट होकर सांप्रदायिक सौहार्द का पैगाम दिया। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 9 लोगों को गिरफ्तार किया। जिसके बाद बाजार पर पहुंच एसडीएम प्रभात कुमार ने लोगों समझाते हुए शांतिपूर्ण संयम बरतने को कहा। घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि रविवार की रात करीब 11 बजे थाना क्षेत्र के पुरानी मस्जिद के पास तरावीह के दौरान भारत बनाम न्यूजीलैंड विश्व कप क्रिकेट के फाइनल में भारत के जीत की खुशी में लोग पटाखे छोड़ रहे थे। जिससे मस्जिद में मौजूद मुस्लिम समाज के युवाओं को खलल बात करते हुए दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू

हो गई। जिसके बाद 112 पुलिस पहुंचते ही भीड़ आक्रामक हो गई। जिसमें वाहन को उपद्रवियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष उमुस सलमा ने बताया कि मो.सलीम, मो. नौशाद, मो. खुशनवाज, मो. कलीम और अनिल गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, पिंटू गुप्ता, आनंद गुप्ता, अजय कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। दूसरी तरफ सोमवार को एसडीएम के समक्ष पैक्स अध्यक्ष शोभनाथ गुप्ता, बीडीसी सुमेश्वर सिंह यादव, मुखिया प्रतिनिधि सतीश कुमार सिंह, मुहर्रम कमेटी अध्यक्ष मो. गुड्डू आलम और मो. मंसूर आलम समेत ग्रामीणों ने कहा कि राजपुर में हिंदू-मुस्लिम भाईचारा प्रेम के साथ ईद-होली एक साथ मनाते हैं। जबकि एसडीएम प्रभात कुमार ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए सीसीटीवी खंगाल निष्पक्ष कर्रवाई में जुट गई है।

## एक नजर

### मारपीट कांड का प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार

**दिनारा।** दिनारा थाना की पुलिस ने पूर्व से दर्ज मारपीट के एक मामले में नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना में दर्ज कांड संख्या 511/25 के आलोक में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम बेनसागर निवासी राधाकृष्ण सिंह को गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार अभियुक्त राधाकृष्ण सिंह स्वर्गीय रामप्रसाद सिंह के पुत्र हैं और दिनारा थाना क्षेत्र के बेनसागर गांव के रहने वाले बताए जाते हैं । थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि मारपीट से संबंधित मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

### बेगूसराय गोलीकांड: प्रॉपर्टी डीलर की 7 गोली मारकर हत्या, कानून-व्यवस्था पर फिर उठे सवाल

**बेगूसराय।** बिहार के बेगूसराय में दिनदहाड़े बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना सिंघौल थाना क्षेत्र के नागदाह इलाके की है, जहां बाइक सवार अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने उन्हें सात गोलियां मारीं, जिससे उनकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी और तनाव का माहौल बन गया।मृतक की पहचान मेहा गांव निवासी गिरजानंद चौधरी के पुत्र वरुण सिंह (52) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वरुण सिंह नागदाह मोहल्ले में अपना घर बनाकर रहते थे और शहर के साथ-साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जमीन के कारोबार से जुड़े हुए थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वरुण सिंह रोज की तरह अपने कुछ साथियों के साथ किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। कई गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोलीबारी के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### मुंगेर में लगातार तीसरे दिन भीषण चोरी, दीवार काटकर छड़-सीमेंट दुकान से लाखों की संपत्ति गायब

**मुंगेर।** मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर नगर क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात, क्यू मैक्स पब्लिक स्कूल के समीप स्थित मां ट्रेडर्स छड़-सीमेंट दुकान से चोरों ने लाखों की संपत्ति चोरी कर ली। जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान की पीछे की दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और करीब 15 बंडल सरिया, 5000 पीस रिंग, फैन बॉक्स, गल्ले में रखे लगभग 15 हजार रुपये नकद, आधार कार्ड, पैन कार्ड और कई अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज ले गए। चोरी की गई संपत्ति की कुल कीमत लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। दुकानदार संतोष कुमार ने बताया कि वह शनिवार की शाम दुकान बंद करके घर चले गए थे। जब रविवार सुबह दुकान खोली, तो देखा कि पीछे की दीवार में बड़ा छेद था और दुकान से सामग्री गायब थी। घटना की सूचना मिलते ही खड़गपुर थाना पुलिस और डायल 112 टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। चोरी की इस घटना की गहन जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। यह नगर क्षेत्र में लगातार तीसरी बड़ी चोरी है। इससे पहले मारवाड़ी टोला स्थित रानी सती मंदिर से चांदी के आभूषण और अनुमंडलीय अस्पताल परिसर से नल चोरी होने की घटनाएं सामने आई थीं। लगातार हो रही इन चोरियों से नगरवासियों में भय का माहौल बना हुआ है और पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

### मुंगेर में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही, ग्रामीणों के बीच बांटी गई एक्सपायरी दवाइयां

**मुंगेर।** मुंगेर में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (स्वास्थ्य उपकेंद्र) की महिला कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को एक्सपायर्ड दवाइयां बांटे जाने का मामला उजागर हुआ है। घटना सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मामले की लीपापोती में जुटे नजर आ रहे हैं। वहीं प्रभारी सिविल सर्जन ने कहा है कि मामले की जांच कराई जा रही है और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, मुंगेर के जमालपुर प्रखंड के हालिमपुर गौरीपुर स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (स्वास्थ्य उपकेंद्र) में यह गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिसने ग्रामीणों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल दिया। उपकेंद्र में कार्यरत उल्ठड रिबिका कुमारी, एएनएम निहारिका कुमारी और जीएनएम प्रीति कुमारी द्वारा घर-घर जाकर ग्रामीणों के बीच दवाइयां वितरित की जा रही थीं।ग्रामीणों के अनुसार स्वास्थ्य टीम नियमित जांच और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर बुखार, दर्द और संक्रमण की दवाइयां बांट रही थी। लेकिन जब कुछ जागरूक ग्रामीणों ने दवाओं के पैकेट पर छपी एक्सपायरी डेट देखी तो वे हैरान रह गए। कई दवाइयों की वैधता 6 से 12 महीने पहले ही समाप्त हो चुकी थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी इन स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा एक्सपायर्ड दवाइयां बांटी जा चुकी हैं। लोगों का कहना है कि दवा देते समय उन्हें किसी प्रकार की जानकारी भी नहीं दी गई। गांव की महिलाओं ने यह सोचकर दवा ले ली कि सरकारी अस्पताल से दी जा रही है, इसलिए सही होगी। ग्रामीणों ने कहा कि एक्सपायर्ड दवाइयां खाने से किसी की जान भी जा सकती थी। यह सीधे तौर पर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। वहीं इस मामले पर प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. रमन कुमार ने बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच टीम का गठन कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# सासाराम विद्युत कार्यालय में राजस्व समीक्षा हुई बैठक

○ **बिजली बकायेदारों का कटेगा कनेक्शन,होगी कर्रवाई**

**केटी न्यूज/रोहतास**

सोमवार को सासाराम विद्युत कार्यालय में मुख्यालय के वरीय पदाधिकारी महाप्रबंधक (राजस्व) अरविंद कुमार की अध्यक्षता में राजस्व समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में रोहतास विद्युत आपूर्ति अंचल कार्यालय अंतर्गत सासाराम, डेहरी एवं भभुआ प्रमंडल के सभी अभियंताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान महाप्रबंधक (राजस्व) ने लंबित बिजली बिल की वसूली को लेकर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में जिन उपभोक्ताओं की 5000 रुपए से अधिक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 20000 रुपए से अधिक

बकाया राशि है, उनका विद्युत कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाए। साथ ही खराब मीटर को तत्काल बदलने का भी निर्देश दिया गया। बिजली बिल वसूली और लाइन काटने की कार्रवाई को तेज करने के लिए सेक्शन स्तर पर विशेष टीम (स्पेशल गैंग) का गठन किया गया है, जो डोर-टू-डोर जांच कर बकाया वसूली और आवश्यकतानुसार कनेक्शन काटने की कार्रवाई करेगी। बैठक में बताया गया कि सासाराम प्रमंडल के ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 69457 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन पर 20 हजार से अधिक का बिजली बिल बकाया है। इसके अलावा विद्युत चोरी के विरुद्ध की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि फरवरी माह में सासाराम प्रमंडल में बिजली चोरी के मामलों में 168 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि बकाया राशि पर 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह (लगभग 18 प्रतिशत वार्षिक) की दर से ब्याज वसूला जाता है। कनेक्शन कटने के बाद बकाया राशि के साथ पुनः कनेक्शन के लिए री-कनेक्शन शुल्क भी देना होगा, तभी आपूर्ति बहाल की जाएगी। समय पर बिजली बिल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग द्वारा विशेष छूट का भी प्रावधान किया गया है। बिल जारी होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान करने पर 1.5 प्रतिशत की छूट तथा ऑनलाइन भुगतान करने पर 1 प्रतिशत अतिरिक्त छूट दी जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 25 पैसे की रियायत मिल रही है। अधिकारियों ने कहा कि बिजली कंपनी एक ओर उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं दूसरी ओर बिजली बिल वसूली एवं राजस्व संग्रहण को लेकर भी सख्ती बरती जा रही है। बकाया बिजली बिल वसूली, विद्युत ऊर्जा चोरी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने तथा बकायेदारों का कनेक्शन तत्काल काटने को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। कनेक्शन कटने के उपरांत बकाया जमा नहीं करने पर सम्बंधित उपभोक्ता पर बिहार और उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम 1914 के तहत नीलामवाद दायर किया जायेगा। बैठक में विद्युत अधीक्षण अभियंता इंद्रदेव कुमार, सासाराम के कार्यपालक अभियंता ई. ब्रवीम, डेहरी के कार्यपालक अभियंता संतोष कुमार, भभुआ के कार्यपालक अभियंता शशिकांत कुमार, सभी सहायक विद्युत अभियंता, कनीय अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# अधिकारियों ने प्रखंड पशु चिकित्सालय का किया जांच

**केटी न्यूज/केसठ**

जिला पदाधिकारी बक्सर के निर्देश के आलोक में प्रखंड के स्थानीय पशु चिकित्सालय का जांच सोमवार को स्थानीय अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जांच कमेटी में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम पटेल शामिल थे। जांच के दौरान पाया गया कि एंबुलेंस की संख्या एक, पशु एंबुलेंस डॉक्टर रजत कुमार, स्टाफ पैरावेट चिकित्सक अशोक कुमार सिंह, ड्राइवर संतोष पाल हैं। इस क्रम में अधिकारियों द्वारा जांच क्रम में पाया गया कि 3 मार्च को 15, 5 मार्च को 17, 6 मार्च को 16, 7 मार्च को 17 एवं 9 मार्च को 15 पशुओं का इलाज हुआ है। साथ ही दवाइयां उपलब्ध पाया गया इस तरह से अधिकारियों द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर जांच किया गया, और जांच प्रतिवेदन

जिला को उपलब्ध कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक विगत 29 दिसंबर को आहूत की गई थी। जिसमें पशु एंबुलेंस डॉक्टर स्टाफ एवं दवाइयां के नहीं रहने आदि शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसको लेकर जिला के वरिय पदाधिकारी के निर्देश पर स्थानीय अधिकारियों द्वारा जांच किया गया। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम पटेल ने बताया कि जिला पदाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड पशु चिकित्सालय का जांच किया गया और जांच प्रतिवेदन जिला को उपलब्ध कराया गया।

# राजगीर जू सफारी में सफेद बाघ केसरी की एंट्री, पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केंद्र

**एजेंसी। पटना**

बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल राजगीर जू सफारी में वन्यजीवन प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक नया रोमांच जुड़ गया है। पटना जू से विशेष एनिमल एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत लाए गए सफेद बाघ केसरी को अब आधिकारिक रूप से बाघ एन्क्लोजर में आम पर्यटकों के दर्शन के लिए छोड़ दिया गया है। इसके बाद से पर्यटकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।पिछले कुछ दिनों से खुले

वातावरण में केसरी को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित नजर आ रहे हैं। उसकी सफेद चमक और दमदार दहाड़ खासकर बच्चों और परिवारों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। पर्यटक अब उसे नजदीक से देखकर तस्वीरें भी ले रहे हैं और इस अनोखे अनुभव को यादगार बना रहे हैं। इस अवसर पर राजगीर जू सफारी के निदेशक रामसुंदर एम. ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सफेद बाघ केसरी का आगमन सफारी के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि बाघ के लिए ऐसा वातावरण तैयार किया गया है, जो उसके प्राकृतिक आवास के अनुकूल है। कुछ दिनों के गहन अवलोकन के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि केसरी यहां की जलवायु और खुले एन्क्लोजर में पूरी तरह सहज हो गया है। उन्होंने कहा कि केसरी का आगमन न केवल वन्यजीवन प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि इससे सफारी में आने वाले पर्यटकों को सुरक्षित और प्राकृतिक माहौल में वन्यजीवों को देखने का और भी रोमांचक अनुभव मिलेगा। एन्क्लोजर और उसके आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल तरीके से डिजाइन किया गया है, जिससे बाघ और पर्यटक दोनों सुरक्षित रह सकें। सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं और सफारी वाहन भी पूरी तरह सुरक्षित हैं। राजगीर जू सफारी अब न केवल वन्यजीवों का नजदीकी अनुभव प्रदान कर रहा है, बल्कि यह बिहार के पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख आकर्षण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सफेद बाघ केसरी की मौजूदगी ने इस सफारी को हर उम्र के पर्यटकों के लिए और भी खास और यादगार बना दिया है।

# चिराग को सीएम बनाने की मांग पर सम्राट का बड़ा बयान, बोले .... एनडीए की बैठक में होगा फैसला

**एजेंसी। पटना**

बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की संभावित राजनीतिक एंट्री को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस मुद्दे पर पहली बार बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर निशांत कुमार राजनीति में आते हैं तो उनका स्वागत है, क्योंकि यह जेडीयू का आंतरिक फैसला है। सम्राट चौधरी ने कहा कि हर राजनीतिक दल को यह अधिकार है कि वह अपने संगठन और नेतृत्व से जुड़े फैसले खुद करे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री जेडीयू का निर्णय है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई युवा राजनीति में आता है और जनता की सेवा करना चाहता है तो यह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है। हालांकि, इस दौरान जब उनसे पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के उस बयान को लेकर सवाल पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है और भाजपा वाले उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो सम्राट चौधरी ने इस पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने इस सवाल पर चुप्पी साध ली और आगे बढ़ गए।दरअसल, राबड़ी देवी ने हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि नीतीश कुमार की राजनीतिक स्थिति कमजोर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा के लोग उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में बयानबाजी का दौर और तेज हो गया है। वहीं,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विधायक और बिहार सरकार के मंत्री संजय पासवान के भी मुद्दे पर सम्राट ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर सम्राट ने कहा कि हर पार्टी के कार्यकताओं की अपनी भावनाएं होती हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। सम्राट ने कहा कि फिलहाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही हैं और सरकार एनडीए के नेतृत्व में चल रही है। उन्होंने कहा कि आगे क्या होगा, इसका फैसला एनडीए की बैठक में लिया जाएगा। उस बैठक में सभी सहयोगी दल मिलकर निर्णय करेंगे और जो भी फैसला होगा, उसका सभी सम्मान करेंगे। इधर, संजय पासवान से दोबारा पूछा गया कि क्या वह खुद चाहते हैं कि चिराग पासवान बिहार के मुख्यमंत्री बनें, तो इस पर भी उन्होंने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि यह फैसला व्यक्तिगत नहीं बल्कि गठबंधन का होता है। उन्होंने कहा कि एनडीए की बैठक में जो भी निर्णय होगा, वह सभी को मान्य होगा और वही अंतिम फैसला होगा। वहीं, निशांत कुमार के राजनीति में आने और संभावित तौर पर उन्हें विधायक बनाकर आगे बढ़ाने के सवाल पर भी संजय पासवान ने संतुलित जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की अपनी रणनीति और सोच होती है। कोई भी दल अपने संगठन और भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखते हुए फैसले लेता है। संजय पासवान ने कहा कि इस मुद्दे पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने दोहराया कि सभी महत्वपूर्ण फैसले एनडीए की बैठक में ही लिए जाएंगे और जो भी निर्णय सामने आएगा, उसे सभी सहयोगी दल स्वीकार करेंगे। बिहार की राजनीति में इन बयानों के बाद एक बार फिर सियासी चर्चा तेज हो गई है। खासकर निशांत कुमार की संभावित राजनीतिक एंट्री और भविष्य में नेतृत्व को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। आने वाले दिनों में एनडीए की बैठक और जेडीयू की रणनीति पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

## एक नजर

### पटना में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 400 किलो गांजा के साथ होमगार्ड का बेटा गिरफ्तार

**पटना।** पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मोकामा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 400 किलो गांजा बरामद किया है। यह गांजा उत्तराखंड से आ रहे एक कंटेनर ट्रक के अंदर बने गुप्त तहखाने में छिपाकर लाया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की कीमत करीब 50 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। जानकारी के अनुसार, रविवार की देर रात मोकामा थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तराखंड से आ रहे एक कंटेनर ट्रक के जरिए भारी मात्रा में गांजे की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष ने तुरंत इसकी जानकारी बाढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दी। इसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई और मोकामा थाना क्षेत्र के फोरलेन मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान शुरू कर दिया गया। इसी दौरान संदिग्ध कंटेनर ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जब पुलिस ने कंटेनर की बारीकी से जांच की तो उसमें एक गुप्त तहखाना बनाया गया था। इसी तहखाने के अंदर बड़ी मात्रा में गांजा छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने जब उस हिस्से को खोलकर देखा तो वहां से करीब 400 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही ट्रक को जब्त कर लिया और उसमें सवार तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

### सरकारी स्कूल में शिक्षक-शिक्षिका की इश्कबाजी, नाराज ग्रामीणों ने किया भारी बवाल, कर दिया ताला बंद

**मधेपुरा।** बिहार के मधेपुरा जिले के बिहारीगंज प्रखंड क्षेत्र स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय सरौनी मुस्लिम टोला में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब गांव के लोगों ने एक शिक्षक और शिक्षिका के कथित प्रेम प्रसंग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। नाराज ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और कुछ देर के लिए सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में कार्यरत शिक्षक मो. इकबाल और शिक्षिका बीबी रूकसाना के बीच चल रहे कथित संबंध के कारण स्कूल का माहौल प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि दोनों के कारण विद्यालय में पढ़ाई ठीक से नहीं हो पा रही है और इसका गलत असर बच्चों पर पड़ रहा है। उग्रामीणों ने बताया कि इस मामले को लेकर रविवार को भी गांव के लोग विद्यालय पहुंचे थे। उस समय भी ग्रामीणों ने दोनों शिक्षकों को वहां से हटाने की मांग करते हुए काफी हंगामा किया था। लोगों का कहना था कि जब तक दोनों को इस स्कूल से नहीं हटाया जाएगा, तब तक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती रहेगी। हालांकि उस दिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बनी रही। इसी कारण सोमवार सुबह एक बार फिर बड़ी संख्या में ग्रामीण स्कूल पहुंच गए और विद्यालय के गेट पर ताला लगा दिया। स्कूल में ताला लगाने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया। इससे वहां वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। ग्रामीण प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। करीब आधे घंटे तक समझाने-बुझाने के बाद पुलिस ने सड़क जाम खत्म कराया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

# पटना सिविल कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, एक महीने में तीसरी बार आया ई-मेल

**एजेंसी। पटना**

बिहार में एक साथ तीन जिलों के सिविल कोर्ट को असामाजिक तत्वों ने बम से उड़ाने की धमकी दी है। पटना सिविल को एक महीने में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी दी गयी है। इस बार भी धमकीभरा ई-मेल भेजा गया है। जिससे पटना सिविल कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। वही बेगूसराय और खगड़िया सिविल कोर्ट को भी धमकीभरा ई-मेल आया है। जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की जो धमकी दी गयी है। उसमें यह दावा किया गया है कि पटना सिविल कोर्ट परिसर और जज साहब के चैंबर में सायनाइड गैस से भरा 14 बम रखा गया है। जो सोमवार 9 मार्च को दोपहर एक बजे से पहले फट जाएगा। मेल में कोर्ट परिसर को खाली कराने की धमकी दी गयी है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। कोर्ट परिसर में आने वाले लोगों की जांच की जा रही है। कोर्ट परिसर के भीतर चेहरे पर मास्क लगाकर जाने पर रोक लगाई गयी है। एक-एक गाड़ियों और लोगों की

जांच की जा रही है। कोर्ट परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये हैं। बता दें कि इससे पहले भी कई बार इस तरह की धमकी मिल चुकी है। पहले आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली थी इस बार सायनाइड गैस से भरे बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस महीने यह तीसरी बार धमकी पटना सिविल कोर्ट को उड़ाने के लिए मिली है। जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। धमकी मिलने के बाद पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने पूरे कोर्ट परिसर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। वही खगड़िया व्यवहार न्यायालय परिसर में बम होने की सूचना ई-मेल के माध्यम से सोमवार को आया है। यह मेल व्यवहार न्यायालय के एक सीनियर अधिकारी को आया है। जिसके बाद से हड़कंप मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने कोर्ट परिसर को खाली करा दिया। बम निरोधक दस्ता बम की तलाश में जुट गई है लेकिन अब तक कोर्ट परिसर में कुछ भी नहीं मिला है। मौके पर पहुंचे सदर रउढ्ढड मुकुल कुमार रंजन ने कहा कि पुलिस को सूचना मिली कि कोर्ट परिसर में संदिग्ध वस्तु है।जिसके बाद बम निरोधक दस्ता को बुलाकर जांच पड़ताल की जा रही है।वहीं खगड़िया कोर्ट के सीनियर अधिवक्ता ने कहा कि कोर्ट के बड़े पद पर बैठे एक व्यक्ति को उनके ई मेल आईडी पर एक मेल आया है। जिसमें कोर्टजा परिसर में बम होने की बात कही गई है। एहतियातन कदम उठाए उठाए जा रहे हैं, ताकि किसी तरह की कोई अनहोनी ना हो।

# कोसी नदी में नहाने गए 5 दोस्तों में 3 किशोर डूबे, परिजनों में कोहराम

**एजेंसी। पटना**

बिहार के भागलपुर जिले के बिहपुर प्रखंड अंतर्गत हरियो पंचायत के महेशपुर गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। कोसी नदी में नहाने गए पांच दोस्तों में से तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृत किशोरों की पहचान महेशपुर गांव के वार्ड नंबर 13 निवासी कैप्टन यादव के पुत्र लक्ष्मण कुमार (13 वर्ष), पिंटू यादव के पुत्र युवराज कुमार (14 वर्ष) उर्फ प्रीतम और शंकर शर्मा के पुत्र नयन कुमार (12 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि रविवार की दोपहर गांव के पांच दोस्त कोसी नदी में नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान अचानक वे नदी के गहरे हिस्से में चले गए, जिससे तीन किशोर डूबने लगे। वहीं उनके साथ गए दो अन्य दोस्त किसी तरह अपनी जान बचाकर नदी से बाहर निकल आए। दोनों किशोर घबराकर गांव की ओर भागे और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल नदी थाना को इस घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष केशव चंद्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने एनडीआरएफ की टीम को भी सूचना दी। ग्रामीणों का कहना है कि नवगछिया क्षेत्र में एनडीआरएफ की स्थायी टीम नहीं रहने के कारण राहत और बचाव कार्य में अक्सर देरी हो जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस घटना में भी एनडीआरएफ की टीम करीब पांच घंटे बाद मौके पर पहुंच सकी। इस दौरान ग्रामीणों ने अपने स्तर पर भी किशोरों की तलाश करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। मौके पर मौजूद जिला पार्षद प्रतिनिधि चंदन भारद्वाज, हरियो पंचायत के सरपंच राजकिशोर राजपाल और पूर्व मुखिया पवन कुमार साह ने बताया कि यदि नवगछिया में एनडीआरएफ की स्थायी टीम होती तो बचाव कार्य काफी पहले शुरू हो सकता था। उन्होंने कहा कि जिले से टीम आने में काफी समय लग जाता है, जिससे कई बार शव को ढूंढ़ने में भी मुश्किल होती है।

# पटना जंक्शन पर मेट्रो जैसी सुरक्षा, बिना क्यूआर कोड और स्कैनिंग एंट्री पर रोक

**एजेंसी। पटना**

पटना जंक्शन अब यात्रियों को मेट्रो स्टेशनों जैसी अत्याधुनिक सुरक्षा और सुव्यवस्थित यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार हो चुका है। रेलवे प्रशासन ने स्टेशन संचालन में बड़े बदलाव करते हुए इसे आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए नई व्यवस्थाएं लागू कर दी हैं। अब यहां बिना क्यूआर कोड टिकट स्कैनिंग और सामान की जांच के प्रवेश की अनुमति बिल्कुल नहीं होगी। यह कदम राजधानी पटना के इस व्यस्त रेलवे हब में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नई व्यवस्था के तहत, पटना जंक्शन में प्रवेश करते समय यात्रियों को एयरपोर्ट या मेट्रो स्टेशनों जैसी सुरक्षा प्रणाली का सामना करना पड़ेगा। सभी प्रवेश द्वारों पर अत्याधुनिक क्यूआर कोड स्कैनिंग और सामान स्कैनिंग मशीनें स्थापित की गई हैं। यात्रियों को अब बिना वैध टिकट के प्लेटफॉर्म पर प्रवेश नहीं मिलेगा। इसी के साथ, स्टेशन परिसर में संदिग्ध वस्तुओं और सुरक्षा खतरों की पहचान के लिए यात्रियों के सामान की स्कैनिंग अनिवार्य कर दी गई है।

### टिकट जांच में सुधार

पटना जंक्शन में टिकट जांच प्रणाली को भी पूरी तरह अपडेट किया गया है। मुख्य टिकट निरीक्षक के नेतृत्व में टीटीई की टीमें प्लेटफॉर्म और प्रवेश द्वारों पर लगातार यात्रियों के टिकटों की जांच कर रही हैं। इस व्यवस्था के तहत कोई भी व्यक्ति बिना वैध टिकट के स्टेशन परिसर में प्रवेश नहीं कर सकता। बिना टिकट पकड़े गए यात्रियों पर नियमानुसार जुमार्ना लगाया जाता है। अधिकारियों का मानना है कि इन सख्त कदमों से न केवल रेलवे का राजस्व बढ़ेगा, बल्कि यात्रियों के बीच नियमों का पालन करने की जागरूकता भी बढ़ेगी।

### यात्रियों को सुविधाएं और सुरक्षा

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इन नई व्यवस्थाओं का लाभ उठाएं और सुरक्षा नियमों का पालन करें। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले अपना टिकट सुनिश्चित करें, सामानों की स्कैनिंग में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत रेल पुलिस को दें। नई व्यवस्थाओं के तहत यात्रियों को स्टेशन परिसर में एक व्यवस्थित और निर्बाध यात्रा का अनुभव मिलेगा।

रेलवे प्रशासन का कहना है कि इससे स्टेशन परिसर में सुरक्षा का स्तर कई गुना बढ़ जाएगा और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव होगी। पटना जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी के जवान लगातार चौकसी बनाए हुए हैं। वे स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में गश्त करते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के लिए अलर्ट मोड में रहते हैं। इस नई व्यवस्था से न केवल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ी है, बल्कि अपराधों की रोकथाम में भी मदद मिल रही है। सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए पूरे स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों का व्यापक नेटवर्क लगाया गया है। इन कैमरों को स्टेशन के रणनीतिक और संवेदनशील स्थानों पर स्थापित किया गया है, और इन्हें एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से लगातार मॉनिटर किया जा रहा है।

# बिहार में बदलेगा मौसम का मिजाज, पटना सहित 32 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना

**एजेंसी। पटना**

बिहार के 32 जिलों में सोमवार को आंधी-बारिश के साथ ठनका गिरने की संभावना है। हालांकि, राज्य के दक्षिण-पश्चिमी भाग के छह जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। अन्य जिलों में एक-दो स्थानों पर ठनका गिरने के साथ ही तेज आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी बिहार के सात जिलों में आंधी-बारिश की अधिक संभावना है। इसके चलते राज्य के अधिकतम तापमान में गिरावट और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मंगलवार को दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के पांच जिलों और उत्तर-पूर्वी

क्षेत्र के सात जिलों में आंधी-बारिश के आसार हैं। वहीं, बुधवार को उत्तर बिहार के 14 जिलों में बारिश की संभावना बनी हुई है। राज्य के अधिकांश शहरों में रविवार को अधिकतम तापमान में गिरावट और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। राज्य का अधिकतम तापमान 28.1 से 34.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.5 से 23.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। इस दौरान सबसे अधिक तापमान कैमूर में 34.8 डिग्री और सबसे कम तापमान सहरसा के अगवानपुर में 17.5 डिग्री दर्ज किया गया। पटना में भी सोमवार को एक-दो स्थानों पर ठनका के साथ आंधी और बारिश होने की संभावना है। तीन दिनों तक आंशिक तौर पर बादल छाए रहने का पूवार्नुमान है, जिससे दिन के तापमान में गिरावट और रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। रविवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री दर्ज किया गया। इधर मौसम में बदलाव का असर तापमान पर भी देखने को मिल सकता है। पिछले कुछ दिनों से बिहार के कई जिलों में तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था, जिससे लोगों को दिन में गर्मी महसूस होने लगी थी। लेकिन बारिश और तेज हवाओं के कारण तापमान में थोड़ी गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस दौरान आकाशीय बिजली और वज्रपात का खतरा बना रहेगा। ऐसे में लोगों को खास सावधानी बरतने की जरूरत है। बारिश के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने, खुले मैदान में न रहने और बिजली के उपकरणों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर कहा जाए तो बिहार में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। गर्मी के बीच बारिश और तेज हवाओं का दौर शुरू हो सकता है। ऐसे में लोगों को मौसम विभाग के निदेर्शों का पालन करने और सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

# पेशी के दौरान हाजीपुर कोर्ट से भागने की कोशिश अपहरण के आरोपी को पुलिस ने दोबारा पकड़ा

**एजेंसी। वैशाली**

वैशाली के हाजीपुर व्यवहार न्यायालय से एक कैदी ने भागने का प्रयास किया। अपहरण के आरोप में गिरफ्तार यह कैदी न्यायालय की दूसरी मंजिल से कूदकर फरार होने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसकी यह कोशिश नाकाम रही और उसे दोबारा पकड़ लिया गया।भागने के प्रयास के दौरान कैदी गहरे पानी में गिर गया। उसे डूबने की आशंका हुई तो आसपास मौजूद लोगों ने उसे बाहर आने को कहा। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार अपने अंगरक्षकों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए कैदी को दोबारा पकड़ लिया। भागने का प्रयास करने वाले इस कैदी की पहचान पवन कुमार के रूप में हुई है। वह जहांगीरपुर शाम चांदपुरा थाना क्षेत्र का निवासी और निवास राय का पुत्र है। पवन देसरी थाना कांड संख्या 416/25 में नाबालिग लड़की के अपहरण का अभियुक्त है। चांदपुरा थाना अध्यक्ष बिट्टू कुमार ने बताया कि अपहरण मामले में आरोपी पवन कुमार को 01 जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर कोर्ट भेजा गया था। आज उसकी पेशी थी, जिसके लिए उसे जेल से कोर्ट लाया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में 22 नवंबर 2025 को कांड संख्या 416/25 दर्ज किया गया था, जिसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया था।